

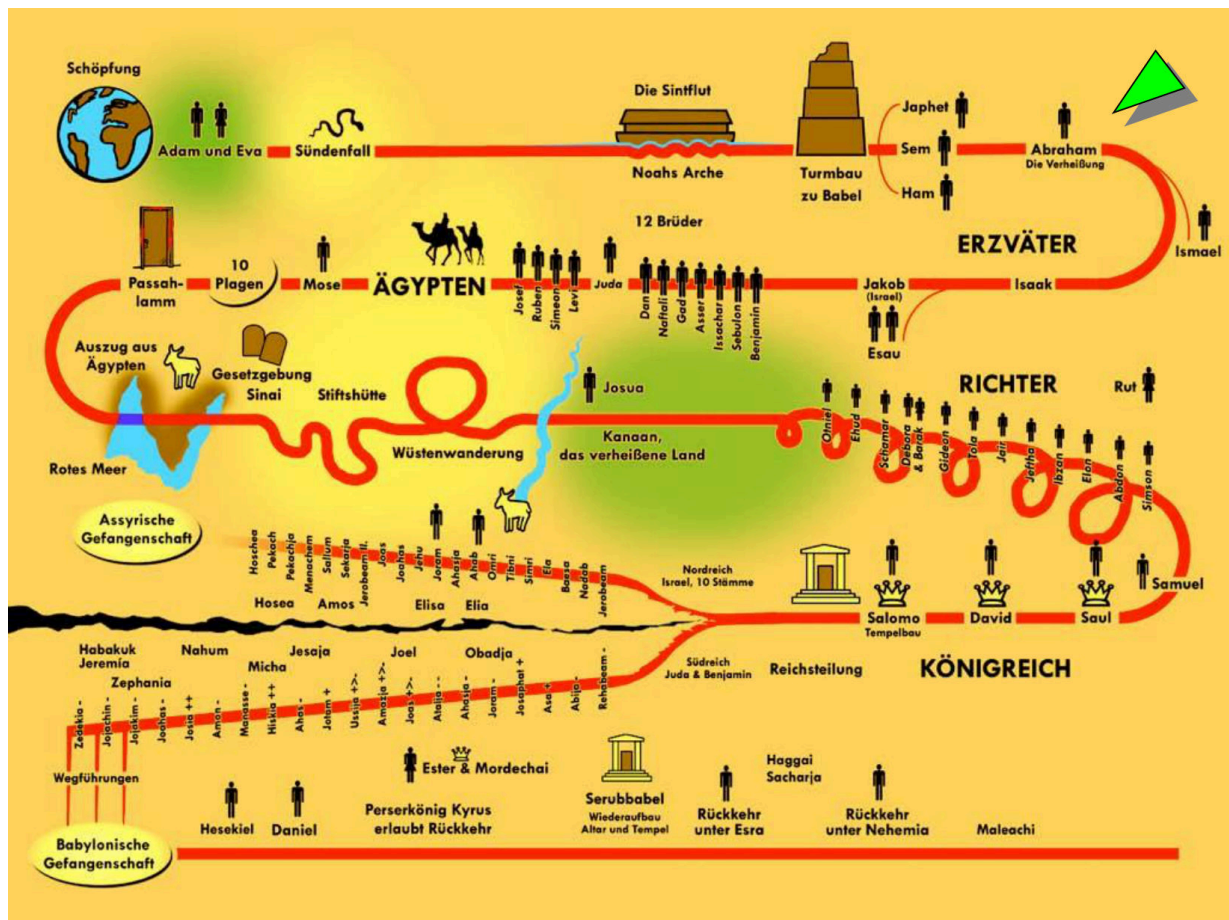
मूसा की दूसरी पुस्तक – निर्गमन

निर्गमन की पुस्तक: रामसेस से सीनै तक

दिन की रूपरेखा

60 मिनट	परिचय	
60 मिनट	1. अध्याय 1 – 4	छुड़ानेवाले (मूसा) का चुनाव
	2. अध्याय 5 – 11	फ़िरौन और 10 विपत्तियाँ
45 मिनट	3. अध्याय 12 – 15	फसह और निर्गमन
50 मिनट समूह-कार्य		लाल समुद्र और उसका आत्मिक अर्थ
60 मिनट	4. अध्याय 15 – 18	जंगल की यात्रा का आरंभ, पहले 3 महीने
60 मिनट	5. अध्याय 15–24;32–34	सीनै पर इस्राएल, व्यवस्था का दिया जाना, वाचा
45 मिनट	6. अध्याय 25–31;35–40	परमेश्वर का पवित्रस्थान और उसके याजक

पुराने नियम के उद्धार-इतिहास का अवलोकन



(रेखाचित्र: पुराने नियम में उद्धार-इतिहास का मार्ग – सृष्टि, आदम और हव्वा और पतन से होकर जल-प्रलय, बाबेल का गुम्मत, कुलपिता, मिस्र, निर्गमन, सीनै और जंगल की यात्रा, न्यायी और राज्य, और फिर अशशूरी और बेबीलोनी बंधुआई तथा एज्रा और नहेम्याह के अधीन वापसी तक।)

लेखक

मूसा को कई बार लिखने की सीधी आज्ञा मिली

मूसा को लेखक बताया गया है। मूसा प्रभु का वचन सुनता है: तथाकथित नबी-सूत्र “प्रभु ने कहा” निर्गमन में लगभग 63 बार आता है। मूसा अकेला सुनने वाला है, इसलिए वही लिखने वाला भी होना चाहिए।

“मूसा की व्यवस्था” अभिव्यक्ति अलग-अलग पुस्तकों में भेद नहीं करती, बल्कि पूरे पंचग्रंथ (पेंटाट्यूक) को दर्शाती है। पुराने नियम में कई अन्य स्थानों पर भी इसे इसी प्रकार कहा गया है, जो स्पष्ट रूप से पुष्टि करता है कि मूसा पूरे ग्रंथ का लेखक है। नया नियम और स्वयं यीशु भी मूसा को पूरे पंचग्रंथ का लेखक होने की पुष्टि करते हैं।



Copyright 2005 Ted Lorton

Der Verfasser

Mose erhielt mehrfach einen direkten Schreibbefehl

Mose wird als Schreiber genannt. Mose hört das Wort des Herrn: Ca. 63-mal kommt die sog. Prophetenformel „der Herr sprach“ in Exodus vor. Mose ist der einzige Hörer und muss demnach auch der Schreiber sein.

Der Ausdruck das „Gesetz Mose“ differenziert nicht zwischen den einzelnen Büchern sondern meint den ganzen Pentateuch. So wird es an vielen weiteren Stellen im AT genannt, was eindeutig Mose als Verfasser des Ganzen bestätigt. Das NT und Jesus selbst bestätigen auch Mose als Schreiber des gesamten Pentateuch.

मूसा – मसीह

मूसा एक नबी था, मसीह भी नबी है। प्रेरितों के काम 3:22 – व्यवस्थाविवरण 18:15, 18, 19

इस्राएल ने मूसा का बपतिस्मा लिया, हमने मसीह का। 1 कुरिन्थियों 10:2

मूसा को उसके लोगों ने ठुकरा दिया, मसीह ने भी यही अनुभव किया (उदाहरण के लिए प्रेरितों के काम 7:20 आदि)

मूसा का गीत (निर्गमन 15 / व्यवस्थाविवरण 32) और मेमे का गीत। प्रकाशितवाक्य 15:3

प्रतीकविद्या (टाइपोलॉजी – चित्रात्मक अर्थ)

पवित्र शास्त्र का आत्मिक अर्थ

1 कुरिन्थियों 10:11

परन्तु ये सब बातें [विशेषकर निर्गमन] उन पर **दृष्टान्त** [यूनानी: टाइपोस] के रूप में घटीं, और वे हमारी चेतावनी के लिए लिखी गईं, जिन पर युगों का अन्त आ पहुँचा है।

रोमियों 15:4

क्योंकि जो कुछ पहले से लिखा गया, वह हमारी ही शिक्षा के लिए लिखा गया, ताकि हम धीरज और पवित्र शास्त्र के प्रोत्साहन के द्वारा आशा रखें।

लूका 24:27 + 32

और मूसा से और सब नबियों से आरम्भ करके उसने सारे पवित्र शास्त्रों में से अपने विषय की बातों का अर्थ उन्हें समझा दिया।

उन्होंने आपस में कहा, “जब वह मार्ग में हमसे बातें करता था और पवित्र शास्त्र का अर्थ हमें समझाता था, तो क्या हमारे मन में उत्तेजना उत्पन्न न हुई?”

मसीह प्रतीकविद्या की कुंजी है!

पुराना नियम नए नियम की चित्र-पुस्तक है!

पुराने नियम में नया छिपा है, नए नियम में पुराना प्रकट हुआ है!

मिस्र और फ़िरौन का प्रतीकात्मक अर्थ

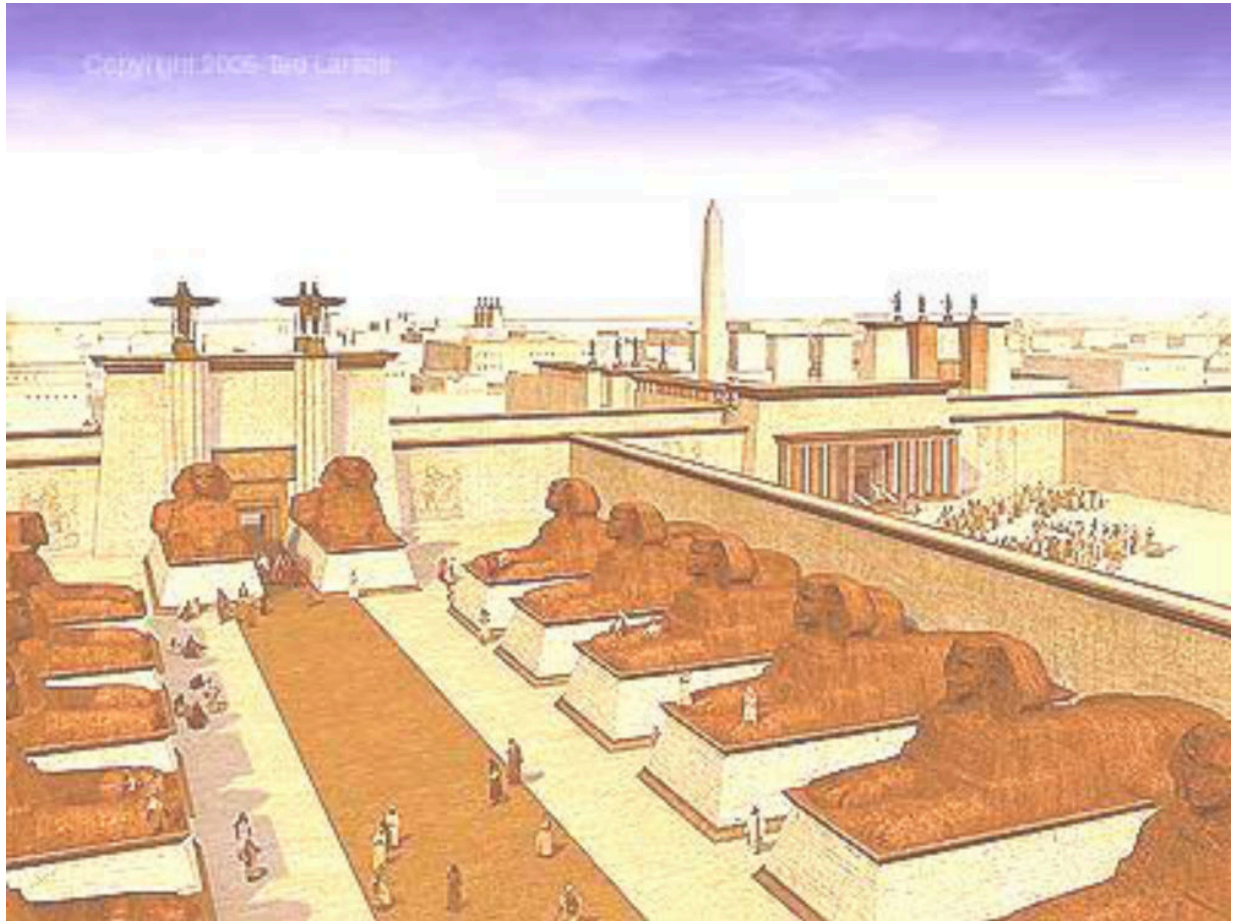
फ़िरौन, जिसे मिस्र में देवता के रूप में पूजा जाता था, शैतान का चित्र है:

... जिनमें **इस संसार के ईश्वर** ने अविश्वासियों की बुद्धि को अंधा कर दिया है, ... 2 कुरिन्थियों 4:4

मिस्र शैतान के अत्याचारी शासन के अधीन भक्तिहीन संसार का प्रतीक (टाइपोस) है:

... जिसने हमारे पापों के लिए अपने आप को दे दिया, ताकि हमें इस **वर्तमान बुरे संसार** से छुड़ाए, ... गलातियों

1:4



इतिहास और काल-निर्धारण

सभी वर्ष-संबंधी विवरणों की व्याख्या और पूरे क्षेत्र के सभी ऐतिहासिक आँकड़ों और तथ्यों के मूल्यांकन से 2, संभवतः 3 मुख्य मत बने हैं। एक मत लगभग 1606 ई. पू. में एक बहुत प्रारंभिक निर्गमन मानता है, दूसरा 1445 ई. पू., और तीसरा एक बाद के निर्गमन को, अर्थात् 1200 ई. पू. को।

यहाँ रोजर लीबी (Roger Liebi) का कार्य "Zur Chronologie des AT" (पुराने नियम के कालक्रम पर), मई 2006, उल्लेखनीय है, जो 1606 ई. पू. के वर्ष के लिए अच्छे प्रमाण देता है।

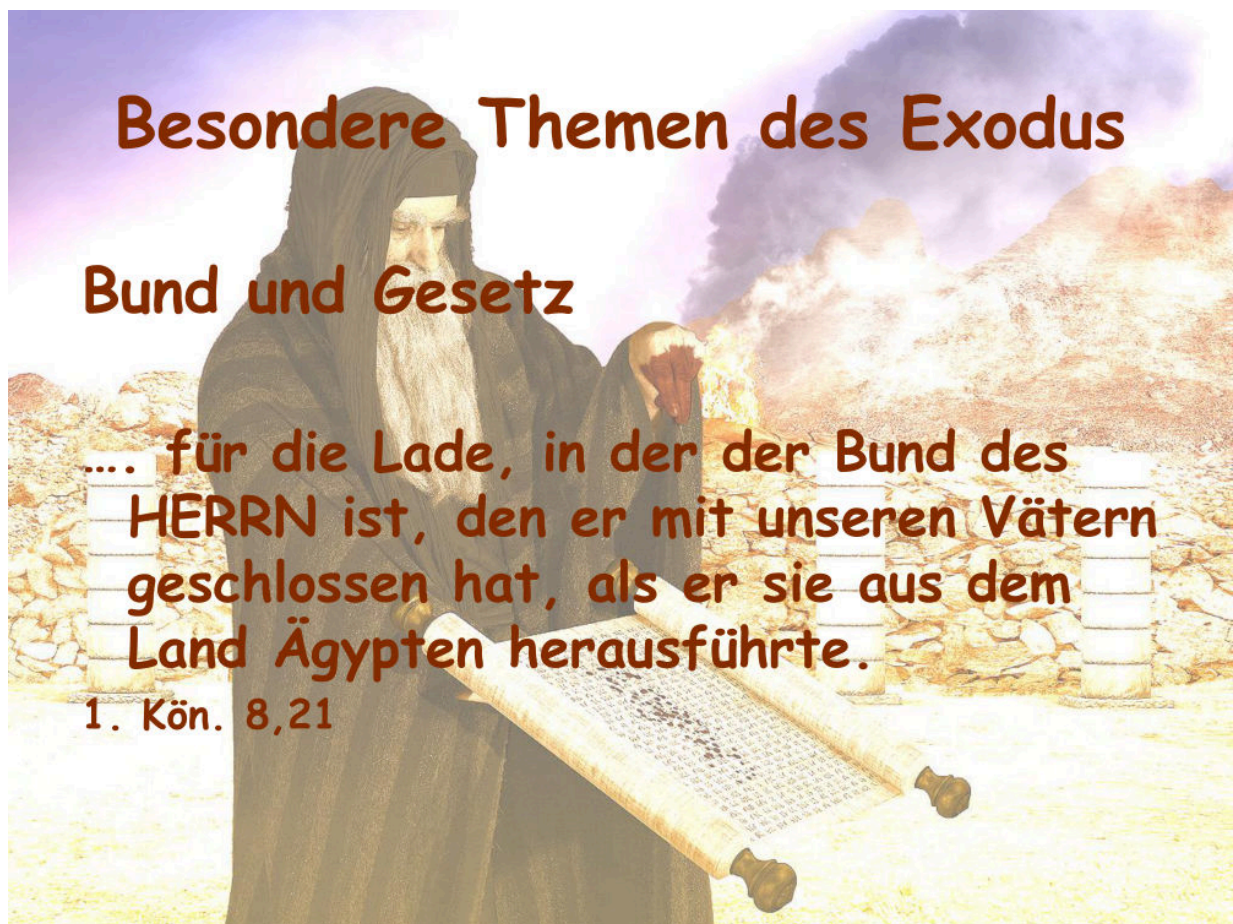
अंतिम काल-निर्धारण के लिए संभवतः और शोध की आवश्यकता है। परन्तु हम मान सकते हैं कि निर्गमन ऊपर बताए गए वर्षों में से किसी एक में हुआ, कम से कम ईसा पूर्व दूसरी सहस्राब्दी के मध्य के आसपास।

निर्गमन के विशेष विषय

वाचा और व्यवस्था

.... उस सन्दूक के लिए, जिसमें यहोवा की वह वाचा है जो उसने हमारे पुरखाओं से तब बाँधी थी जब वह उन्हें मिस्र देश से निकाल लाया था।

1 राजाओं 8:21



Besondere Themen des Exodus

Bund und Gesetz

.... für die Lade, in der der Bund des
HERRN ist, den er mit unseren Vätern
geschlossen hat, als er sie aus dem
Land Ägypten herausführte.

1. Kön. 8,21

परमेश्वर का प्रकाशन

ईश्वर-दर्शन (थियोफनी)

परमेश्वर स्वयं को मूसा पर "याहवे" नाम से प्रकट करता है।

परमेश्वर स्वयं को प्रभु के दूत में प्रकट करता है।

परमेश्वर आग में, बादल में दिखाई देता है, जो उसकी सर्वव्यापकता को दृश्य बनाता है। रात को, अँधेरे में, यह बादल आग का होता है।

मूसा परमेश्वर की महिमा को पीछे से देखता है।





(चित्र: मूसा छावनी के बीच में स्थित पवित्रस्थान की ओर देखता है।)

आश्चर्यकर्म

लगभग 25 लाख लोगों की भीड़ वाली इस प्रजा की जंगल में पूरी यात्रा, आरंभ से अंत तक, केवल अलौकिक रूप से ही समझाई जा सकती है।

“सभी आश्चर्यकर्म, बड़े हों या छोटे, मनुष्य के लिए असंभव हैं और प्रकृति के उन नियमित नियमों में एक व्यवधान हैं जो विज्ञान का आधार हैं। इसीलिए वे आश्चर्यकर्म हैं, और परमेश्वर ने उन्हें मनुष्यों को यह प्रमाणित करने के लिए दिया कि स्वर्ग में एक परमेश्वर है, जो किसी के भी स्वप्न से अधिक सामर्थी है।”
आर. लेयर्ड हैरिस (R. Laird Harris)

निर्गमन का अवलोकन

भाग 1: अध्याय 1 – 18

मिस्र से छुटकारा

अत्याचारियों का दंड

अत्याचार सहने वालों का छुटकारा

परमेश्वर अपने लोगों के लिए क्या है और क्या करता है

व्यवस्था रहित समय

भाग 2: अध्याय 19 – 40

परमेश्वर के पास लाए गए

परमेश्वर का अपने लोगों से संबंध

सीनै पर

लोग परमेश्वर के लिए क्या हैं

व्यवस्था दिए जाने के बाद

निर्गमन की संरचना

अध्याय 1-12: मिस्र में इस्राएल के लोगों की बंधुआई

- छुटकारे की तैयारी (अध्याय 1-4)
- छुटकारे के प्रयास (अध्याय 5-12)

अध्याय 13-18: परमेश्वर द्वारा इस्राएल के लोगों का मिस्र से छुटकारा और जंगल में उसकी उपस्थिति

- परमेश्वर द्वारा इस्राएल के लोगों को मिस्र से निकाल ले जाना (अध्याय 13-15)
- जंगल में परमेश्वर का मार्गदर्शन और देखभाल (अध्याय 16-18)

अध्याय 19-40: सीनै पर परमेश्वर का व्यवस्था देना

- वाचा का बाँधा जाना (अध्याय 19-24)
- मिलापवाले तम्बू और याजकपद के लिए वाचा के निर्देश (अध्याय 25-31)
- वाचा के लोग विद्रोह में (अध्याय 32)
- वाचा का नवीनीकरण (अध्याय 33-34)
- मिलापवाले तम्बू का निर्माण और प्रतिष्ठा (अध्याय 35-40)

विभाजन और रूपरेखा

छुटकारे की दृष्टि से 3 खंड पहचाने जा सकते हैं:

छुड़ानेवाले (मूसा) का इतिहास	अध्याय 1 और 2
छुटकारे का इतिहास	अध्याय 3 से 14
छुड़ाए हुआओं का इतिहास	अध्याय 15 से 40

विभाजन और रूपरेखा

निम्नलिखित विभाजन भी उल्लेखनीय है:

1. इतिहास	अध्याय 1 से 19
2. व्यवस्था	अध्याय 20 से 24
3. आराधना	अध्याय 25 से 40

पंचग्रंथ, अर्थात् मूसा की 5 पुस्तकों के संदर्भ में निर्गमन यह स्थान रखता है:

1 मूसा (उत्पत्ति)	- आदि में	पाप
2 मूसा (निर्गमन)	- ये नाम हैं	छुटकारा
3 मूसा (लैव्यव्यवस्था)	- और उसने बुलाया	पवित्रता
4 मूसा (गिनती)	- जंगल में	तीर्थयात्रा
5 मूसा (व्यवस्थाविवरण)	- ये वचन हैं	प्रतिफल

छुड़ानेवाले का चुनाव

अध्याय 1-4

मिस्र में इस्राएल के पुत्र, प्रतिज्ञा के वाहक, (याकूब के, जो परमेश्वर का राजकुमार है)

मूसा, छुड़ानेवाला: 40 वर्ष मिस्र, 40 वर्ष मिद्यान, 40 वर्ष जंगल की यात्रा

यहवे (JHWH) अपने दास मूसा के द्वारा अपने लोगों के उद्धार की योजना बनाता है



3+3+3+1 विपत्तियाँ

अध्याय 5-11

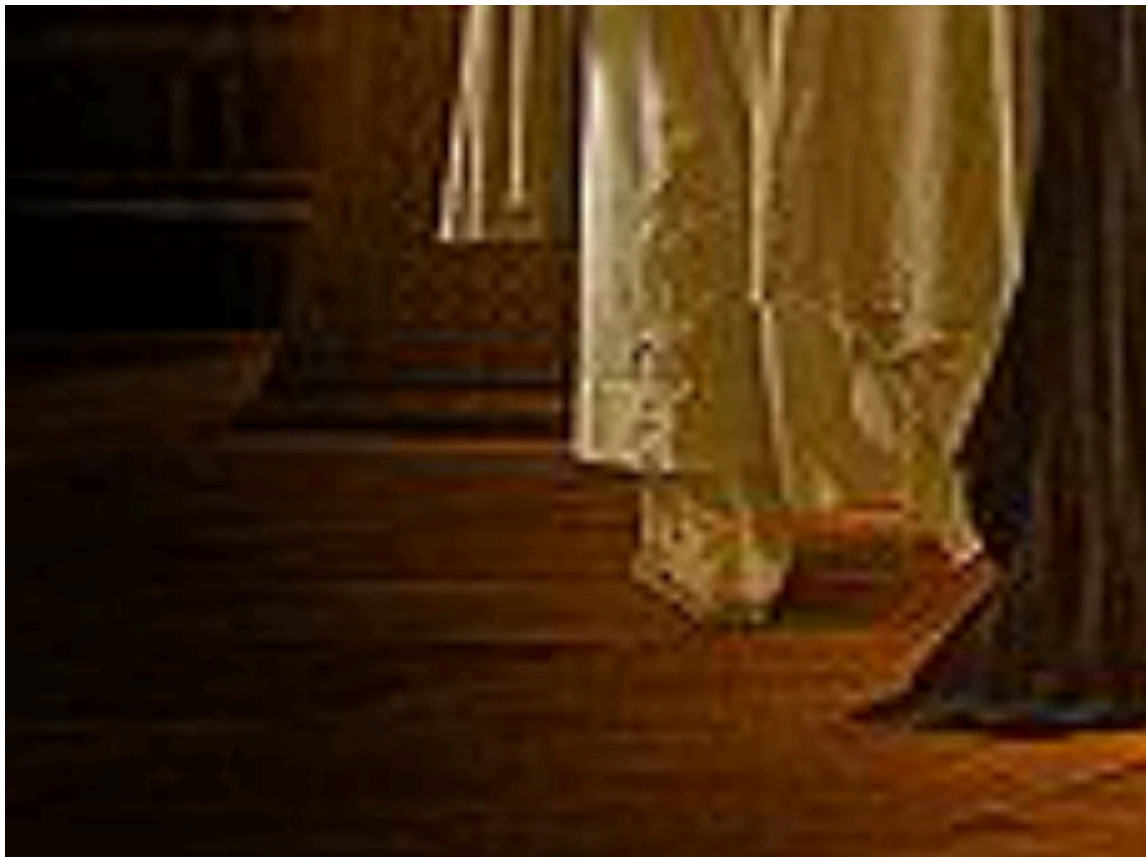
चिह्न और चमत्कार (इस्राएल और मिस्र के लिए)

परमेश्वर का बलवन्त हाथ, **परमेश्वर की उँगली**

बड़े न्याय-दंड (**अप्रत्यक्ष और प्रत्यक्ष**)

मिस्र के देवता, सबसे पहले फ़िरौन, मारे जाते हैं,

क्योंकि परमेश्वर बड़ा है।





3+3+3+1 विपत्तियाँ

अध्याय 5-11

भविष्यसूचक अर्थ

मूसा मसीह की तरह ठुकराया जाता है, मिथ्या जाता है और विवाह करता है, जैसे मसीह अन्यजातियों में से कलीसिया को (दुल्हन के रूप में) लेता है; फिर वह लौटकर अपने पुराने लोगों को अपनाता है, जो बड़े न्याय-दंडों और क्लेश के द्वारा बचाए जाते हैं।

सब विपत्तियाँ प्रकाशितवाक्य (16:9) में फिर से आती हैं। पहली 3 हम अभी साथ में अनुभव करते हैं, जब तक कोई अलगाव नहीं किया जाता। जब हम स्वर्ग में होंगे, तब अंतिम और सबसे भयानक विपत्तियाँ आएँगी।



3+3+3+1 विपत्तियाँ

अध्याय 5-11

1. नील नदी का पानी लहू बना
2. मेंढक
3. कुटकियाँ
4. डांस (मक्खियों के झुंड)
5. पशुओं की महामारी
6. फोड़े
7. ओले
8. टिड्डियाँ
9. अंधकार
10. पहिलौठों की मृत्यु



फसह और निर्गमन

अध्याय 12-15

फसह पुराने नियम की केंद्रीय घटना है

मेम्ना मसीह का सबसे प्रसिद्ध पूर्व-चित्र है: क्योंकि हमारा भी फसह, अर्थात् मसीह, बलिदान हुआ है! 1 कुरिन्थियों 5:7; 1 पतरस 1:19 आदि

भविष्य में संसार का इतिहास भी मेम्ने के द्वारा निर्धारित होगा और अपने लक्ष्य तक पहुँचाया जाएगा।
(प्रकाशितवाक्य)

अंतिम विपत्ति इस्राएल पर भी आ पड़ती, यदि मेम्ना और मेम्ने का लहू अलगाव न करता!

प्रभु का फसह

अध्याय 12

- महीनों का आरंभ
- निर्दोष और निष्कलंक मेम्ना
- 4 दिन घरों में रखवाली के लिए
- द्वार के दोनों अलंगों और चौखट के सिरे पर लहू
- पूरा भूना हुआ, पूरा खाया जाए, कड़वे सागपात के साथ
- प्रस्थान के लिए तैयार
- एक सदा का स्मरण
- अखमीरी रोटी का पर्व
- निर्गमन



निर्गमन

अध्याय 13-15

पहिलौठे का अधिकार

बादल और आग का खंभा

लाल समुद्र पर नाटकीय उद्धार

फ़िरौन का विनाश

छुटकारे का गीत

लाल समुद्र और उसका अर्थ

छुटकारा और मुक्ति

हे भाइयो, मैं नहीं चाहता कि तुम इस बात से अनजान रहो कि हमारे सब पूर्वज बादल के नीचे थे, और सब के सब समुद्र के बीच से पार हो गए;

और सब ने बादल में और समुद्र में मूसा का बपतिस्मा लिया, 1 कुरिन्थियों 10:2

रोमियों की पत्री में वर्णित परमेश्वर का महान उद्धार आत्मिक अर्थ में फसह और लाल समुद्र की कुंजी है। फसह लहू के नीचे सुरक्षा है, लाल समुद्र पाप की शक्ति से मुक्ति है।

जंगल की यात्रा का आरंभ, पहले 3 महीने

अध्याय 15:22-18

जंगल के पहले पाठ

- मारा और एलीम
- मन्ना: स्वर्ग से रोटी
- चट्टान से पानी
- अमालेक से युद्ध
- यित्री और उसकी सलाह
- (व्यवस्था रहित समय)

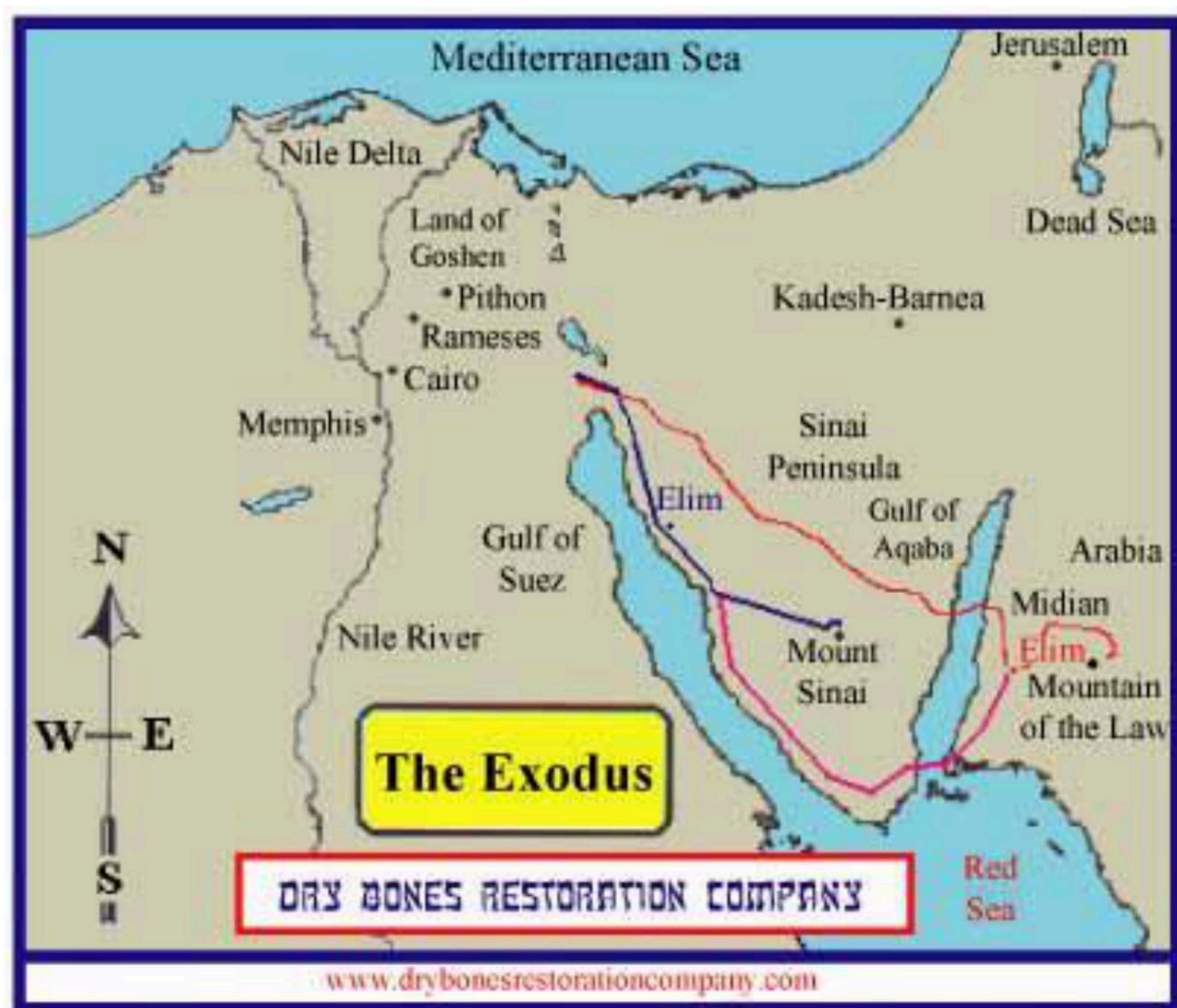






(नक्शा: निर्गमन का पारंपरिक मार्ग – नील डेल्टा से सीनै प्रायद्वीप होकर सीनै पर्वत तक और आगे कनान तक; अंग्रेज़ी में लिखा हुआ।)

2 और वैकल्पिक मार्ग



(नक्शा: रामसेस से सीनै प्रायद्वीप होकर या मिद्यान की ओर निर्गमन के दो और संभावित मार्ग; अंग्रेज़ी में लिखा हुआ।)

वाचा और व्यवस्था

अध्याय 19-24; 32-34

मूसा परमेश्वर से मिलने के लिए (सीनै पर) ऊपर चढ़ गया।

‘तुमने देखा है कि मैंने मिस्रियों के साथ क्या किया। तुमने अनुभव किया है कि मैंने तुम्हें मानो उकाब के पंखों पर उठाकर यहाँ तक **अपने पास** पहुँचाया है।

अब यदि तुम मेरी सुनो और मेरी वाचा का पालन करो, तो सब जातियों में से तुम मेरी निज सम्पत्ति ठहरोगे। क्योंकि सारी पृथ्वी मेरी है। तुम मेरे लिए **याजकों का राज्य और एक पवित्र जाति ठहरोगे!**

सारे लोग एक मन थे: “जो कुछ यहवे ने कहा है, वह सब हम करेंगे!” निर्गमन 19:4-8

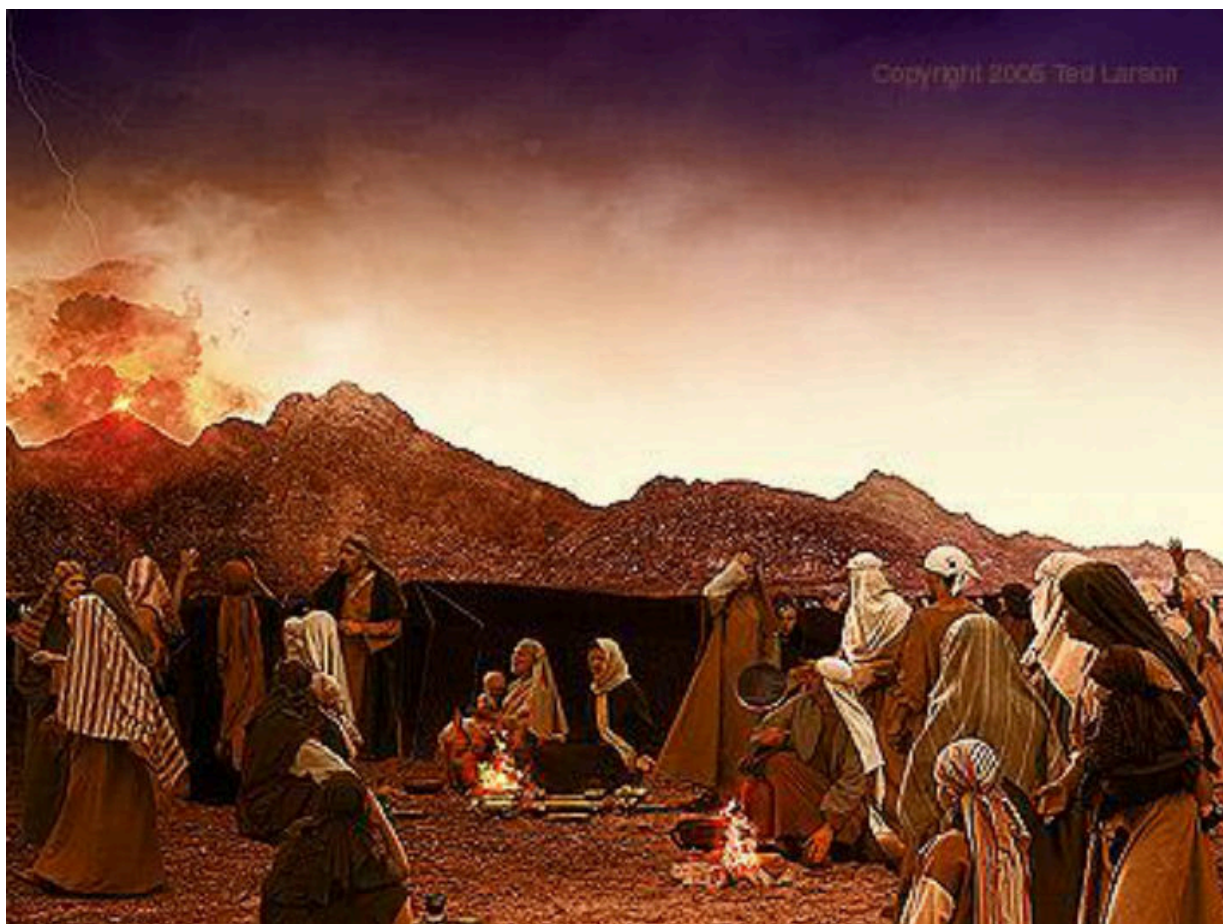
सीनै पर्वत और पुरानी वाचा

क्योंकि हाजिरा अरब का सीनै पर्वत है, और वह आज के यरूशलेम से मेल खाती है, क्योंकि वह अपने बच्चों समेत दासत्व में है; गलातियों 4:25

क्योंकि तुम उस (पर्वत) के पास नहीं आए जो छुआ जा सकता था, और न धधकती हुई आग, और काली घटा, और अंधकार, और आँधी के पास, ... इब्रानियों 12:18

सियोन पर्वत और नई वाचा

पर तुम सियोन के पहाड़ के पास, और जीवते परमेश्वर के नगर, स्वर्गीय यरूशलेम के पास, और लाखों स्वर्गदूतों के पास आए हो, ... इब्रानियों 12:22



आज्ञाएँ – दस आज्ञाएँ (डेकालॉग): 10 वचन

10 आज्ञाएँ इस्राएल के लिए सब आज्ञाओं का हृदय हैं।

“और उसने तुम्हें अपनी वाचा बताई, जिसके पालन की आज्ञा उसने तुम्हें दी, अर्थात् दस वचन; और उसने उन्हें पत्थर की दो पटियाओं पर लिख दिया।” व्यवस्थाविवरण 4:13

मूसा की व्यवस्था में ठीक 613 नैतिक, न्यायिक, नागरिक और विधि-संबंधी आदि आज्ञाएँ हैं



परमेश्वर का प्रकाशन

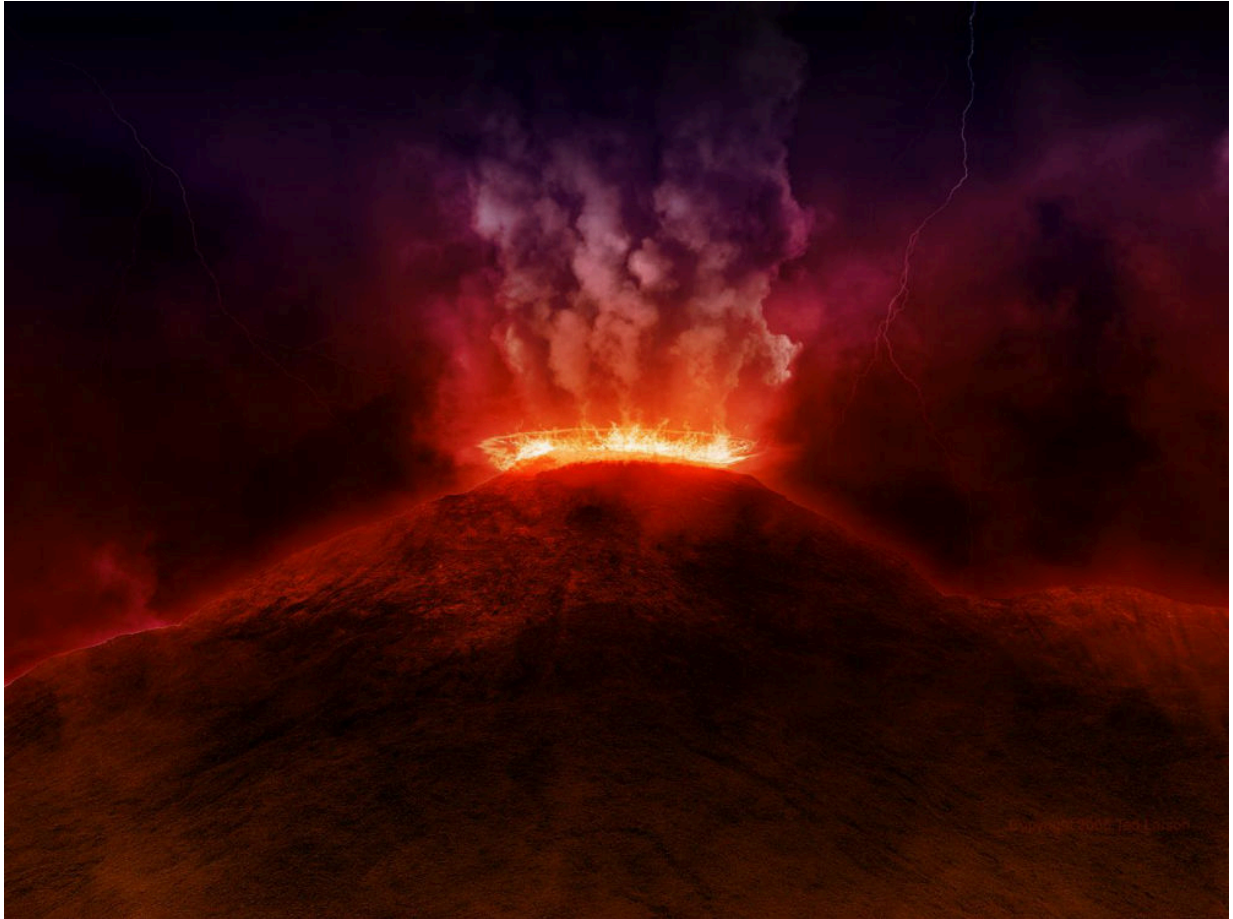
परमेश्वर स्वयं को मूसा पर “यहवे (JHWH)” नाम से प्रकट करता है

परमेश्वर स्वयं को “प्रभु के दूत” के द्वारा प्रकट करता है

परमेश्वर स्वयं को विशेष प्राकृतिक घटनाओं में प्रकट करता है:

- जलती हुई झाड़ी
- बादल का खंभा
- आग का खंभा
- जलते हुए पर्वत में, आँधी में, नरसिंगे के शब्द के साथ

मूसा परमेश्वर की महिमा को पीछे से देखता है

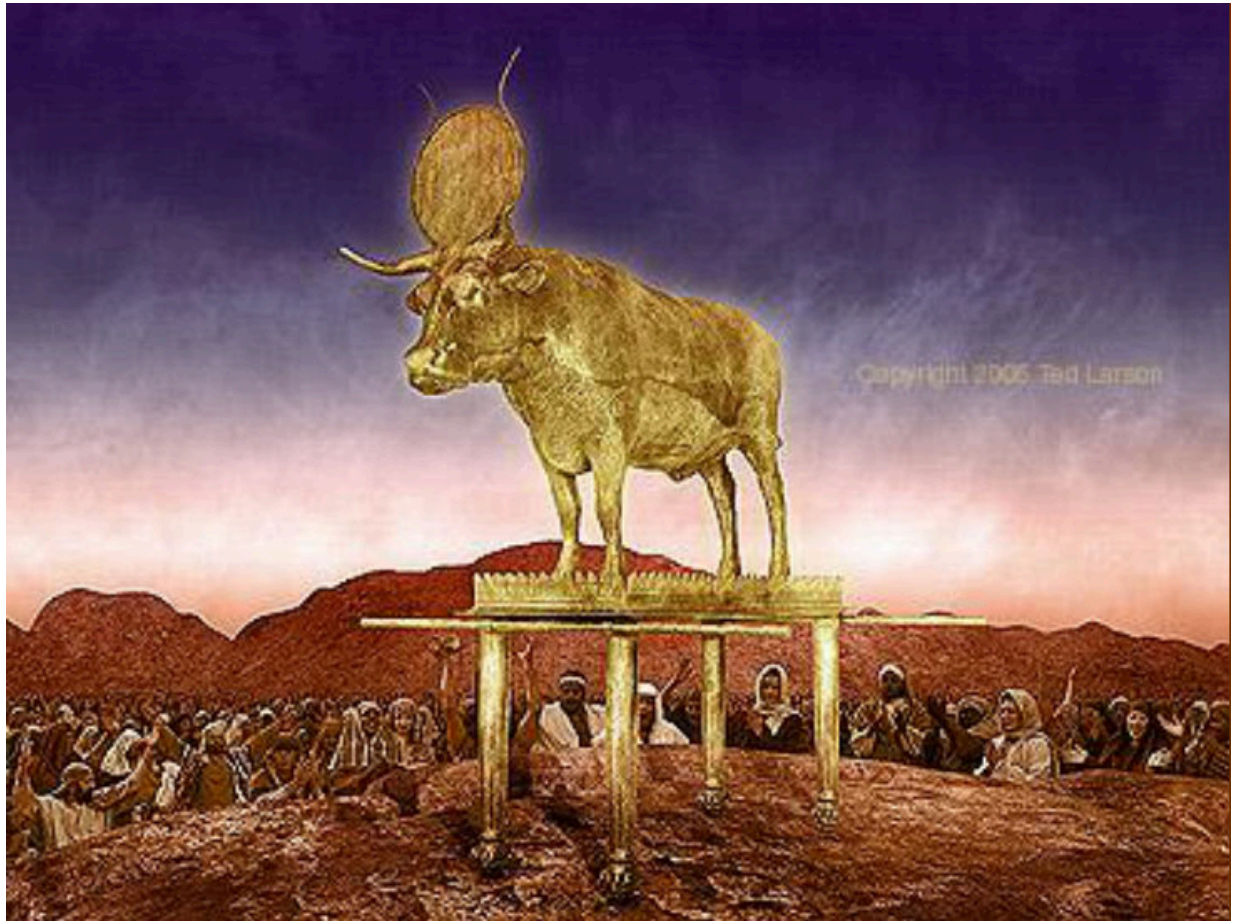


वाचा का बाँधा जाना, वाचा का टूटना, वाचा का नवीनीकरण

मूसा, पर्वत पर मध्यस्थ और विनती करने वाला

छावनी में: सोने के बछड़े के चारों ओर मूर्तिपूजा

भजन संहिता 106:23 इसलिए उसने कहा कि वह उनका सत्यानाश कर डालेगा, यदि उसका चुना हुआ मूसा उसके सामने दरार में खड़ा न होता, ताकि उसकी जलजलाहट को ठंडा करे कि वह उन्हें नष्ट न करे।



“चलता-फिरता” मंदिर



“वे मेरे लिए एक पवित्रस्थान बनाएँ, क्योंकि मैं उनके बीच निवास करना चाहता हूँ। मैंने तुझे इस निवासस्थान का नमूना उसके सब सामान समेत दिखाया है। उसी के अनुसार तुम उसे बनाना।” निर्गमन 25:8, 9

वे मेरे लिए एक पवित्रस्थान बनाएँ, कि मैं उनके बीच निवास करूँ।

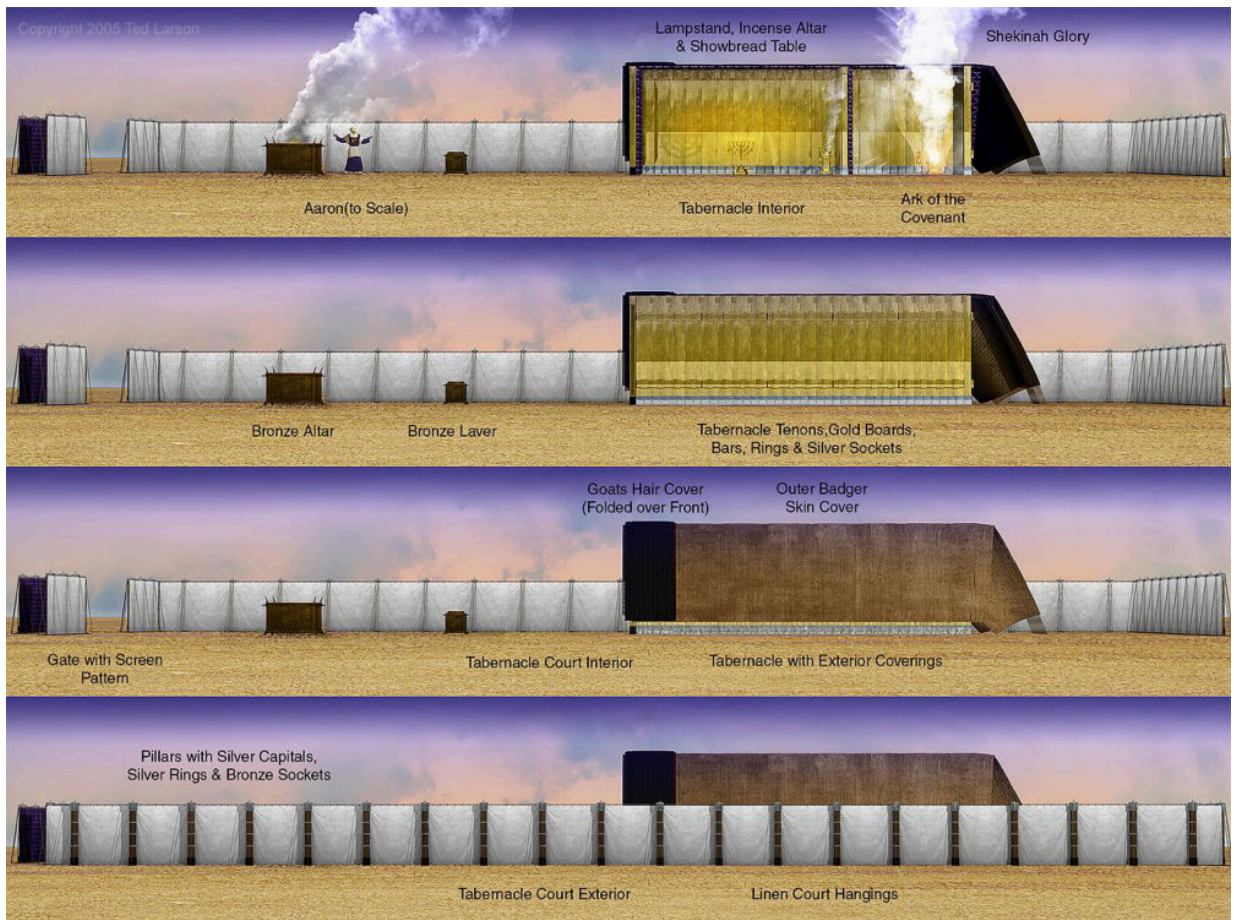
निर्गमन 25:8

मुख्य भाग:

- आँगन का घेरा
- प्रवेश-द्वार
- आँगन
- होमबलि की वेदी
- हौदी
- मिलापवाला तम्बू



ऊपर से दृश्य: मिलापवाला तम्बू



(चित्र: मिलापवाला तम्बू चार दृश्यों में, भीतरी पात्रों से लेकर बाहरी ओढ़नों और आँगन के घेरे तक; अंग्रेज़ी में लिखा हुआ।)

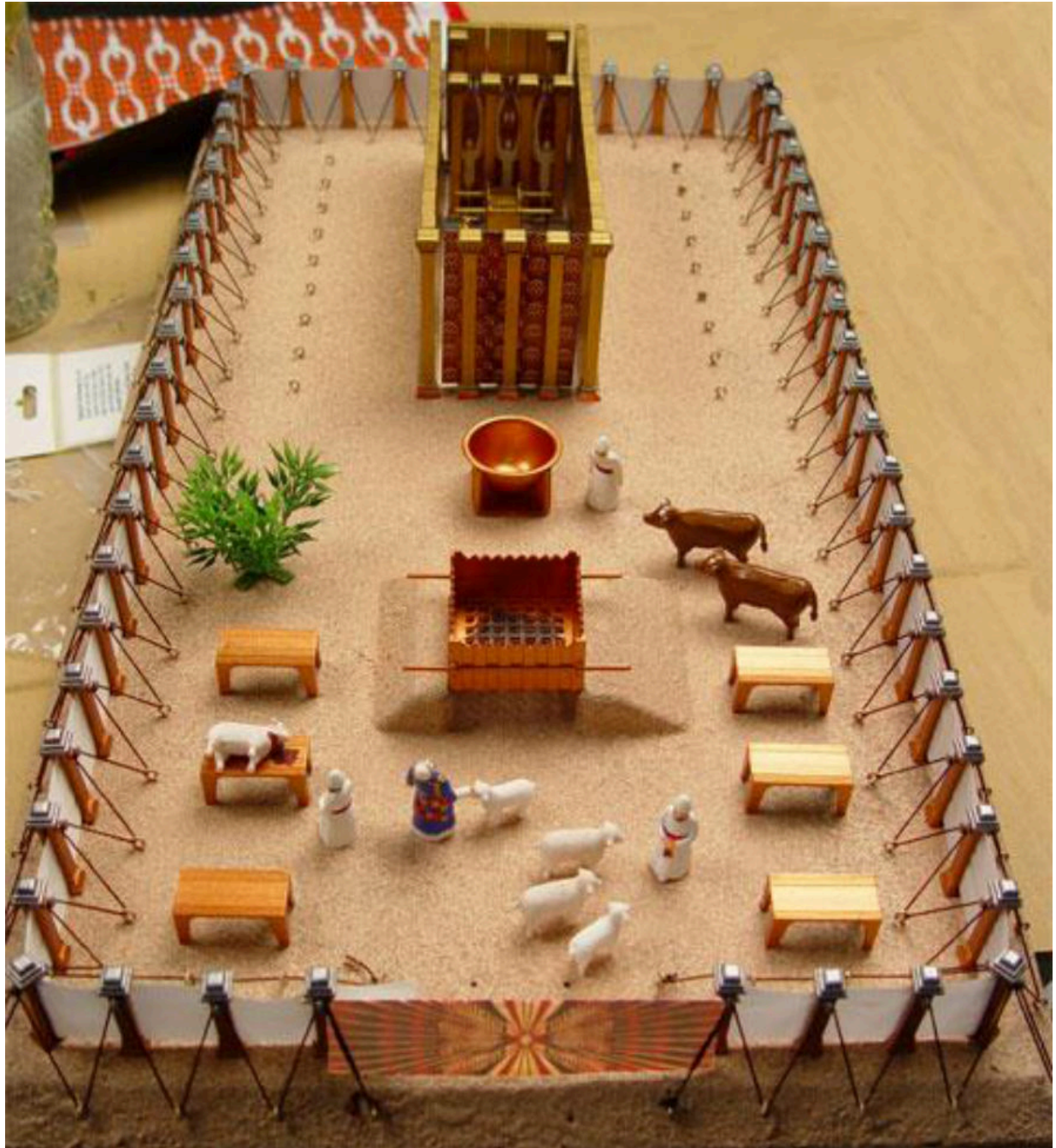


मिलापवाले तम्बू का प्रतीकवाद

मिलापवाला तम्बू **मसीह** की ओर संकेत करता है।

“और वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच में ‘तम्बू तानकर’ रहा! यूहन्ना 1:14

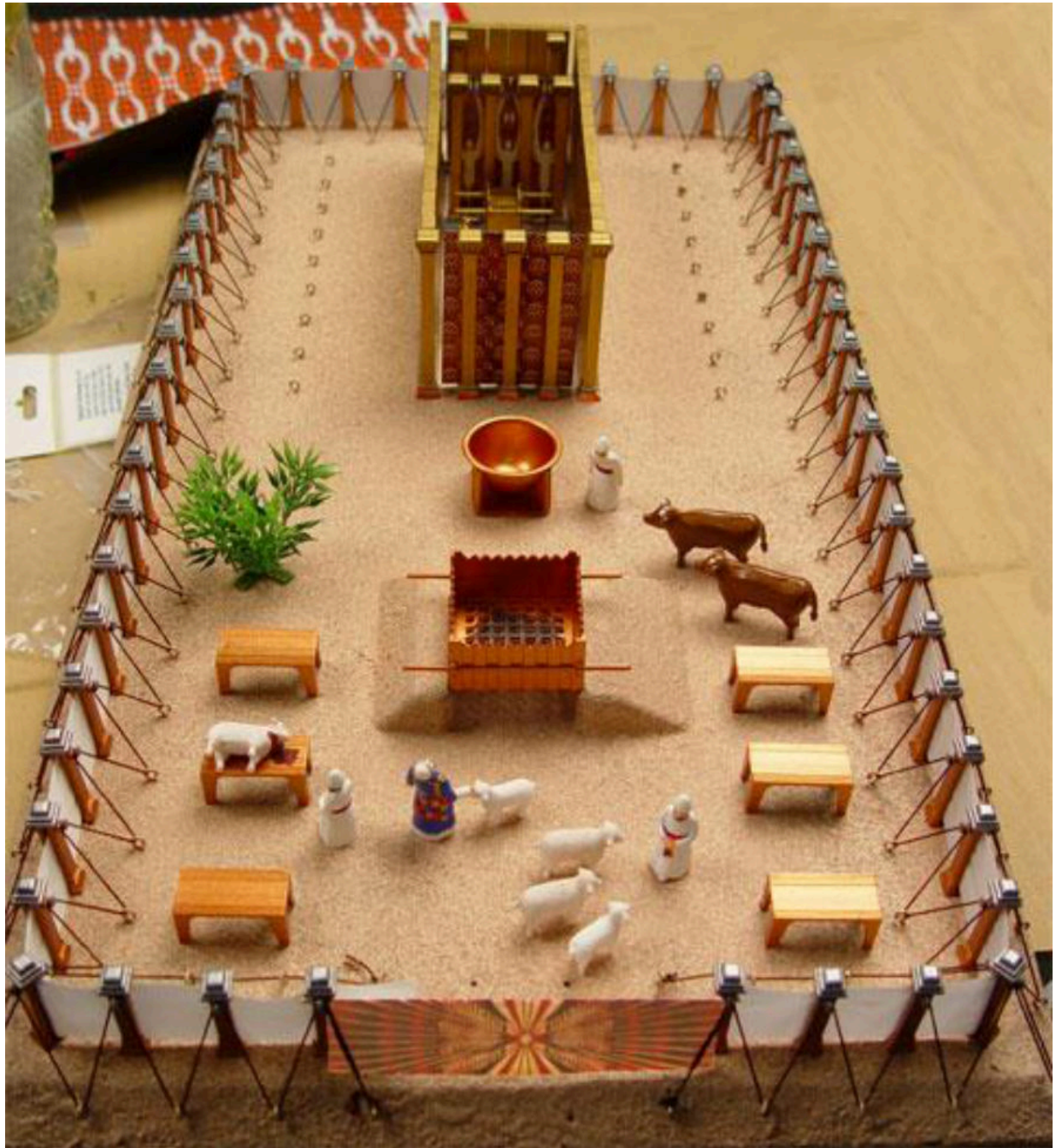
मिलापवाला तम्बू कलीसिया के विषय में बोलता है। मिलापवाला तम्बू पुराने नियम में परमेश्वर का निवासस्थान था, कलीसिया नए नियम में आत्मा के द्वारा परमेश्वर का निवासस्थान है (इफिसियों 2:22)। नई सृष्टि में सभा को “परमेश्वर का डेरा” कहा गया है। (प्रकाशितवाक्य 21:3)।



मिलापवाले तम्बू का प्रतीकवाद

मिलापवाला तम्बू स्वर्ग के विषय में बोलता है।

बादलों वाले आकाश के विषय में नहीं (वह पहला स्वर्ग है), न तारों वाले आकाश के विषय में (वह दूसरा स्वर्ग है), बल्कि तीसरे स्वर्ग के विषय में (2 कुरिन्थियों 12:2) – परमेश्वर का निवासस्थान। इब्रानियों 9:23-24



वाचा का सन्दूक

लोगों के बीच परमेश्वर का सिंहासन

... और वाचा का सन्दूक, जो चारों ओर सोने से मढ़ा हुआ था, जिसमें मन्त्रा से भरा हुआ सोने का पात्र और हारून की वह छड़ी जिसमें फूल-पत्ते निकल आए थे, और वाचा की पटियाएँ थीं; इब्रानियों 9:4



भेंट की रोटियों की मेज़



और तू मैदा लेकर उससे बारह रोटियाँ पकाना: हर रोटि दो दसवें अंश की हो।

और तू उन्हें दो पंक्तियों {या: कतारों} में, एक पंक्ति में छः छः करके, यहोवा के सामने शुद्ध मेज़ पर रखना।

और तू हर पंक्ति पर शुद्ध लोबान रखना, और वह रोटि के लिए स्मरण दिलाने वाला भाग होगा, यहोवा के लिए एक हव्य।

भेंट की रोटियों की मेज़

हर सप्ता के दिन वह उसे नित्य यहोवा के सामने सजाया करे: यह इस्राएलियों की ओर से एक सदा की वाचा है।

और वह हारून और उसके पुत्रों की होगी, और वे उसे पवित्र स्थान में खाएँ; क्योंकि यहोवा के हव्यों में से वह परमपवित्र वस्तु के रूप में उसी की होगी: यह सदा की विधि है। लैव्यव्यवस्था 24:5-9



सोने की धूप-वेदी

आराधना का स्थान – मसीह की सुगंध

प्रतिदिन दो बार पवित्र धूप

मसीह, हमारा महायाजक, हमारी आराधना की अगुवाई करता है।

विश्वासी आराधकों के रूप में

इब्रानियों 13:15

प्रकाशितवाक्य 5:8



होमबलि की वेदी

गुलगुता का क्रूस!

तुम प्रभु के कटोरे और दुष्टात्माओं के कटोरे दोनों में से नहीं पी सकते; तुम **प्रभु की मेज़** और दुष्टात्माओं की मेज़ दोनों के साझी नहीं हो सकते। 1 कुरिन्थियों 10:21

हमारी एक ऐसी **वेदी** है, जिस पर से खाने का अधिकार उन लोगों को नहीं है जो तम्बू की सेवा करते हैं। इब्रानियों 13:10





पीतल की हौदी

इसलिए, हे भाइयो, जब हमें यीशु के लहू के द्वारा पवित्रस्थान में प्रवेश करने का साहस मिला है, उस नए और जीवते मार्ग से, जिसे उसने परदे, अर्थात् अपने शरीर, में से होकर हमारे लिए खोल दिया है, और जब परमेश्वर के घर पर हमारा एक महान याजक है, तो आओ, हम सच्चे मन और विश्वास की पूरी निश्चितता के साथ निकट चलें, हमारे हृदय छिड़काव के द्वारा बुरे विवेक से शुद्ध किए गए हों, और देह **शुद्ध जल से धोई गई** हो। इब्रानियों

10:19-22



याजक: हारून और उसके पुत्र

अध्याय 28 + 29

उनके वस्त्र

उनका अभिषेक

प्रतिदिन का होमबलि





पवित्रस्थान का खड़ा किया जाना

परमेश्वर की महिमा का प्रकट होना

निर्गमन के 1 वर्ष बाद पहला पड़ाव-लक्ष्य पूरा होता है।

नए नियम की कलीसिया

अनंतकाल

परमेश्वर के पास लाए गए!

